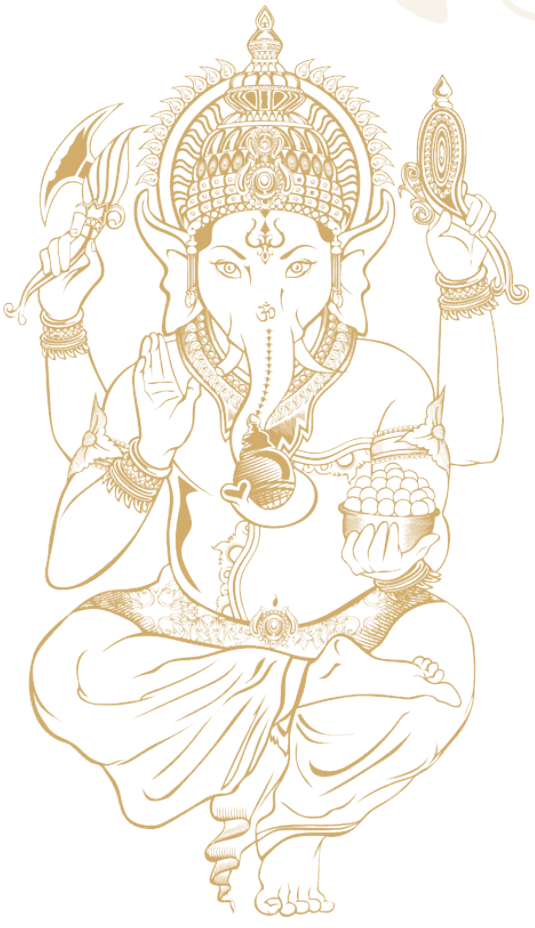

Umesh Puri

Dr.Kanchan Puri

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120793001

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120793001 Date: 01/01/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
15-16/12/1956	जन्म तिथि	27-28/10/1961
शनि-रविवार	दिन	शुक्र-शनिवार
घंटे 01:38:00	जन्म समय	04:00:00 घंटे
घटी 46:38:07	जन्म समय(घटी)	53:39:53 घटी
India	देश	India
Pune	स्थान	Pune
18:34:00 उत्तर	अक्षांश	18:34:00 उत्तर
73:58:00 पूर्व	रेखांश	73:58:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:34:08	स्थानिक संस्कार	-00:34:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:58:45	सूर्योदय	06:32:02
17:59:50	सूर्यास्त	18:04:00
23:15:35	चित्रपक्षीय अयनांश	23:19:14

कन्या	लग्न	कन्या
बुध	लग्न लग्नाधिपति	बुध
वृष	राशि	मिथुन
शुक्र	राशि-स्वामी	बुध
कृतिका	नक्षत्र	मृगशिरा
सूर्य	नक्षत्र स्वामी	मंगल
3	चरण	3
सिद्ध	योग	परिघ
तैतिल	करण	कौलव
उ-उदय	जन्म नामाक्षर	का-कमला
धनु	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक
वैश्य	वर्ण	शूद्र
चतुष्पाद	वश्य	मानव
मेष	योनि	सर्प
राक्षस	गण	देव
अन्त्य	नाड़ी	मध्य
गरूड़	वर्ग	मार्जार

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
सूर्य 2वर्ष 6मा 4दि		16:38:27	कन्या	लग्न	कन्या	04:18:15	मंगल 2वर्ष 4मा 18दि	
शनि		00:35:50	धनु	सूर्य	तुला	10:56:45	बुध	
21/06/2010		04:24:58	वृष	चंद्र	मिथु	02:07:37	16/03/2017	
21/06/2029		11:32:08	मीन	मंगल	तुला	24:38:59	17/03/2034	
शनि	24/06/2013	17:58:55	धनु	बुध व	तुला	00:22:39	बुध	13/08/2019
बुध	03/03/2016	07:00:28	कन्या	गुरु	मक	05:51:24	केतु	09/08/2020
केतु	12/04/2017	01:49:21	वृश्चि	शुक्र	कन्या	18:50:59	शुक्र	10/06/2023
शुक्र	11/06/2020	14:14:00	वृश्चि	शनि	मक	00:39:39	सूर्य	16/04/2024
सूर्य	24/05/2021	05:40:32	वृश्चि	राहु व	सिंह	01:02:16	चन्द्र	15/09/2025
चन्द्र	24/12/2022	05:40:32	वृष	केतु व	कुंभ	01:02:16	मंगल	12/09/2026
मंगल	02/02/2024	13:14:07	कर्क व	हर्ष	सिंह	06:31:26	राहु	01/04/2029
राहु	09/12/2026	08:40:48	तुला	नेप	तुला	17:28:28	गुरु	08/07/2031
गुरु	21/06/2029	07:08:57	सिंह व	प्लूटो	सिंह	16:16:37	शनि	17/03/2034

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:15:35 चित्रपक्षीय अयनांश 23:19:14

लग्न-चलित

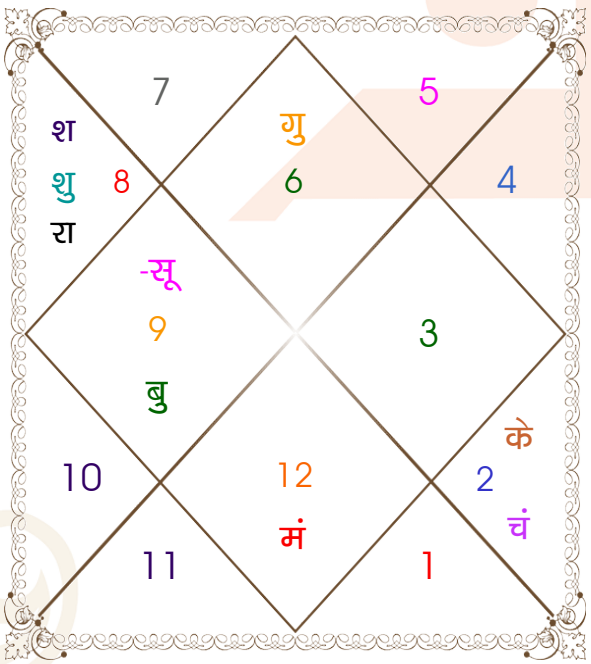

लग्न-चलित

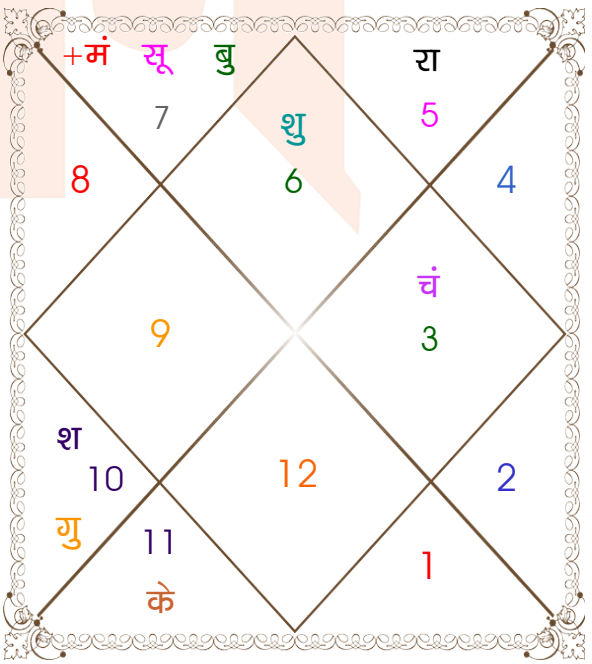

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मेष	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	बुध	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	मिथुन	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	19.50		

कुल : **19.5 / 36**

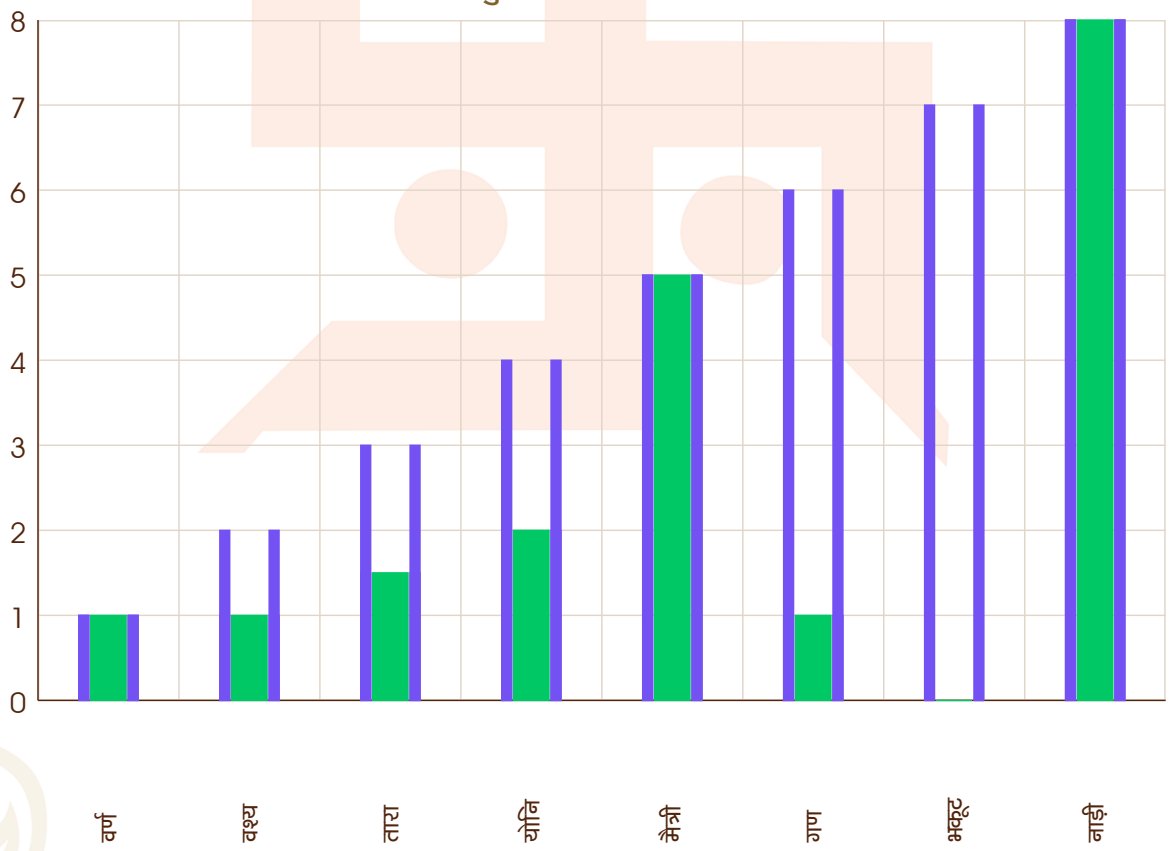

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

न्उमेी च्नतप का वर्ग गरूड़ है तथा क्तण्ज्ञंदबींद च्नतप का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार न्उमेी च्नतप और क्तण्ज्ञंदबींद च्नतप का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

न्उमेी च्नतप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि न्उमेी च्नतप कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

क्तण्ज्ञंदबींद च्नतप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

न्उमेी च्नतप तथा क्तण्ज्ञंदबींद च्नतप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

न्उमेी च्नतप का वर्ण वैश्य है तथा क्तण्ज्ञंदबींद च्नतप का वर्ण शूद्र है। इसमें क्तण्ज्ञंदबींद च्नतप का वर्ण न्उमेी च्नतप के वर्ण से नीचा है अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके फलस्वरूप क्तण्ज्ञंदबींद च्नतप अति आज्ञाकारी, सहायता करने वाली तथा बिना किसी शिकायत के पूरे परिवार की सेवा-सुश्रुषा एवं देखभाल करने वाली होगी। साथ ही हर किसी की सेवा के लिए क्तण्ज्ञंदबींद च्नतप हमेशा तत्पर रहेगी। बिना उचित कारण के वह किसी के साथ तर्क-वितर्क अथवा झगड़ा नहीं करेगी।

वश्य

न्उमेी च्नतप का वश्य चतुष्पद अर्थात पशु है एवं क्तण्ज्ञंदबींद च्नतप का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। यद्यपि कि पशु एवं मनुष्य के स्वभाव एक-दूसरे से सर्वथा भिन्न होते हैं अतः दोनों के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद बिल्कुल अलग हो सकते हैं किंतु फिर भी दोनों एक-दूसरे के सान्निध्य में रहेंगे। फिर भी कभी-कभी मनुष्य निर्दयी एवं आक्रामक हो जाता है। इसी प्रकार न्उमेी च्नतप एवं क्तण्ज्ञंदबींद च्नतप एक-दूसरे के साथ रहकर अपने जीवन का आनंद लेते रहेंगे किंतु कभी-कभी क्तण्ज्ञंदबींद च्नतप क्रूर एवं अमर्यादित व्यवहार का प्रदर्शन करती रहेगी।

तारा

न्उमेी च्नतप की तारा मित्र तथा क्तण्ज्ञंदबींद च्नतप की तारा विपत है। क्तण्ज्ञंदबींद च्नतप की तारा विपत होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। यह मिलान न्उमेी च्नतप एवं उसके परिवार के लिए दुर्भाग्य एवं नुकसान का कारण बन सकता है। परन्तु कड़े एवं लगातार प्रयासों के बाद परिणाम सुखदायी हो सकता है। संभव है कि क्तण्ज्ञंदबींद च्नतप का रुख सहयोगात्मक नहीं हो तथा आपसी विश्वास, प्रेम एवं समझ की कमी बनी रहे। अक्सर पति एवं पत्नी के बीच संघर्ष एवं लड़ाई-झगड़े रह सकते हैं तथा बच्चे भी इसका गलत फायदा उठायेंगे। जिसके कारण संभव है कि बच्चे योग्य एवं आज्ञाकारी नहीं हों।

योनि

न्उमेी च्नतप की योनि मेष है तथा क्तण्ज्ञंदबींद च्नतप की योनि सर्प है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध

संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में न्उमेी च्नतप एवं क्तण्ज्ञंदबींद च्नतप दोनों के राशि स्वामी परस्पर मित्र हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि न्उमेी च्नतप एवं क्तण्ज्ञंदबींद च्नतप के राशिस्वामी परस्पर मित्र होने के कारण इसे अति उत्तम मिलान माना जाता है। जिसके कारण न्उमेी च्नतप एवं क्तण्ज्ञंदबींद च्नतप जीवन की हर खुशी एवं सुख प्राप्त करने में सफल होंगे तथा इनमें परस्पर विश्वास, प्रेम, समझ एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। साथ ही हर प्रकार की सुख-सुविधाओं एवं वैभव से परिपूर्ण होंगे।

गण

न्उमेी च्नतप का गण राक्षस तथा क्तण्ज्ञंदबींद च्नतप का गण देव है। अर्थात क्तण्ज्ञंदबींद च्नतप का गण न्उमेी च्नतप के गण से श्रेष्ठ है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। जिसके कारण न्उमेी च्नतप निर्दयी, कठोर, निष्ठुर एवं झगड़ालू हो सकते हैं। साथ ही न्उमेी च्नतप का क्तण्ज्ञंदबींद च्नतप के साथ क्रूर व्यवहार करने की संभावना बनी रह सकती है। पति-पत्नी, अक्सर कुत्ते-बिल्लियों की भांति झगड़ा कर सकते हैं एवं परिवार में अक्सर अशांति का माहौल बना रहेगा। क्तण्ज्ञंदबींद च्नतप हमेशा हर कदम पर समझौता करने की कोशिश करती रहेगी ताकि दोनों का संबंध बना रहे।

भकूट

न्उमेी च्नतप से क्तण्ज्ञंदबींद च्नतप की राशि द्वितीय भाव में स्थित है तथा क्तण्ज्ञंदबींद च्नतप से न्उमेी च्नतप की राशि द्वादश भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा नहीं है। जिसके कारण न्उमेी च्नतप गुस्सैल एवं लड़ाकू स्वभाव के हो सकते हैं। साथ ही शारीरिक रूप से कमजोर तथा अपव्ययी होंगे। क्तण्ज्ञंदबींद च्नतप समझौतावादी, सौम्य एवं

दयालु प्रवृत्ति की होंगी तथा अपने कर्त्तव्यों एवं उत्तरदायित्वों को आसानी से बखूबी निभाती रहेंगी तथा बचत भी करती रहेगी। दूसरी ओर न्उमेी च्नतप शाहखर्च, लापरवाह एवं अय्याशी में पैसे बर्बाद करने वाले हो सकते हैं।

नाड़ी

न्उमेी च्नतप की नाड़ी अन्त्य है तथा क्तण्ज्ञंदबींद च्नतप की नाड़ी मध्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। अन्त्य एवं मध्य नाड़ी दो महत्वपूर्ण जीवनी शक्तियों पित्त एवं कफ की कारक हैं। जिसके कारण दम्पत्ति का परस्पर प्रेम, अनुकूलता, अच्छा भविष्य, सहयोग की भावना बनी रहेगी। आपकी संतान शक्तिशाली, बुद्धिमान, आज्ञाकारी एवं भाग्यशाली होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

न्उमेी च्नतप की जन्म राशि भूमितत्व से युक्त वृष तथा क्तण्ज्ञंदबींद च्नतप की जन्म राशि वायुतत्व युक्त मिथुन है। पृथ्वी एवं वायु तत्व में नैसर्गिक असमानता होती है। अतः न्उमेी च्नतप एवं क्तण्ज्ञंदबींद च्नतप में शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक असमानताएं विद्यमान रहेगी तथा इसमें परस्पर यत्न से ही किंचित मधुरता आ सकती है।

न्उमेी च्नतप की राशि का स्वामी शुक्र एवं क्तण्ज्ञंदबींद च्नतप की राशि का स्वामी बुध परस्पर मित्र हैं। अतः दाम्पत्य जीवन की सुख एवं समृद्धि की दृष्टि से यह स्थिति शुभ रहेगी। न्उमेी च्नतप और क्तण्ज्ञंदबींद च्नतप का एक दूसरे के प्रति विश्वास तथा समर्पण की भावना होगी तथा दोनों एक दूसरे के गुणों की प्रशंसा करेंगे। इस प्रकार न्उमेी च्नतप और क्तण्ज्ञंदबींद च्नतप का जीवन सुख शांति से व्यतीत होगा।

न्उमेी च्नतप और क्तण्ज्ञंदबींद च्नतप की परस्पर राशियां द्वितीय एवं द्वादश भाव में पड़ती है। अतः यह भकूट दोष माना जाता है। इसके प्रभाव से किंचित विभिन्नताएं होंगी। क्तण्ज्ञंदबींद च्नतप वायुतत्व एवं द्विस्वभावराशि की होने के कारण उनमें परिवर्तन शीलता का भाव रहेगा तथा अपने विचार इच्छाएं एवं आकांक्षाओं को समय समय पर परिवर्तन करेगी जिससे न्उमेी च्नतप किंचित असुविधा तथा परेशानी की अनुभूति करेंगे।

न्उमेी च्नतप का वश्य चतुष्पद एवं क्तण्ज्ञंदबींद च्नतप का वश्य मानव है तथा इन दोनों की आपस में नैसर्गिक असमानता है। अतः न्उमेी च्नतप और क्तण्ज्ञंदबींद च्नतप की अभिरूचियां में असमानता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी विषमता होगी। अतः दाम्पत्य जीवन के सुख में एक दूसरे को प्रसन्न एवं संतुष्ट अल्प मात्रा में ही कर सकेंगे अतः परस्पर सामंजस्य स्वीकार करके दाम्पत्य स्थापित सुखी बनाने में यत्नशील रहना चाहिए।

न्उमेी च्नतप का वर्ण वैश्य है अतः इनके सभी कार्य व्यापारिक बुद्धि से सम्पनन होंगे तथा धनार्जन के प्रति सर्वदा तत्पर रहेंगे। क्तण्ज्ञंदबींद च्नतप का शूद्र वर्ण होने के कारण वह एक कर्तव्य परायण महिला होंगी तथा किसी भी कार्य को ईमानदारी से पूर्ण करने में तत्पर रहेंगी जिससे दोनों के कार्य क्षेत्र में स्थिति सुदृढ़ रहेगी।

धन

न्उमेी च्नतप और क्तण्ज्ञंदबींद च्नतप की तारा परस्पर सम है। अतः इनकी आर्थिक स्थिति पर तारा का प्रभाव विशेष शुभ या अशुभ नहीं रहेगा। लेकिन इनकी राशियां परस्पर द्वितीय एवं द्वादश भाव में पड़ती हैं जो एक प्रबल भकूट दोष माना जाता है तथा आर्थिक स्थिति पर इसका विशेष दुष्प्रभाव पड़ता है। परन्तु मंगल का आर्थिक क्षेत्र पर प्रभाव सम रहेगा। अतः सामान्यतया न्उमेी च्नतप और क्तण्ज्ञंदबींद च्नतप समृद्ध एवं सुख संसाधनों से युक्त रहेंगे।

भकूट दोष के प्रभाव से क्तण्झंदबींद च्नतप की प्रवृति अधिक एवं अनावश्यक व्ययशील रहेगी तथा भौतिक साधनों पर अनावश्यक व्यय करेंगी। साथ ही न्उमी च्नतप भी जुए या अन्य व्यसनों से अधिक हानि प्राप्त कर सकते है। अतः आर्थिक स्थिति की सुदृढ़ता के लिए न्उमी च्नतप और क्तण्झंदबींद च्नतप को अपनी ऐसी प्रवृतियों पर नियंत्रण रखने की कोशिश करनी चाहिए।

स्वास्थ्य

न्उमी च्नतप की नाड़ी अन्त्य तथा क्तण्झंदबींद च्नतप की नाड़ी मध्य है। अतः नाड़ी दोष से ये मुक्त रहेंगे तथा इसका इनके स्वास्थ्य पर कोई प्रभाव नहीं होगा परन्तु मंगल का क्तण्झंदबींद च्नतप के स्वास्थ्य पर विशेष अशुभ प्रभाव रहेगा। इससे वे रक्त या पित संबधी परेशानियां प्राप्त करेंगी तथा गुप्त या धातु संबधी रोगों का भी उन्हें सामना करना पड़ सकता है। साथ ही मासिक धर्म संबंधी अनियमिता से भी कष्ट की अनुभूति करेंगी। अतः इन प्रभावों में न्यूनता लाने के लिए क्तण्झंदबींद च्नतप को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना तथा मंगलवार के उपवास करने चाहिए।

संतान

संतति के दृष्टि से न्उमी च्नतप एवं क्तण्झंदबींद च्नतप का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उनको उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म के मध्य अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उनका उचित पालन पोषण करने में समर्थ होंगे। इसके अतिरिक्त इनकी पुत्र एवं कन्या संतति संख्या भी समान होगी।

यद्यपि क्तण्झंदबींद च्नतप का प्रसव सामान्य विधि से सम्पन्न होगा परन्तु इसके प्रति क्तण्झंदबींद च्नतप के मन में कई प्रकार से भय एवं चिन्ता की भावना रहेगी जिससे वे अनावश्यक मानसिक तनाव की अनुभूति करेंगी। अतः क्तण्झंदबींद च्नतप को चाहिए कि ऐसे अनावश्यक भय एवं चिन्ता से मुक्त रहें तथा नियमित रूप से अपना गर्भावस्था में डाक्टरी परीक्षण आदि करवाती रहें। इससे क्तण्झंदबींद च्नतप सामान्य रूप से सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी तथा ऐसे समय में स्वयं भी स्वस्थ तथा शांति की अनुभूति करेंगी। न्उमी च्नतप और क्तण्झंदबींद च्नतप बच्चों से सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा वे भी अपने क्षेत्र में स्व योग्यता बुद्धिमता तथा व्यवहार कुशलता से प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे तथा अन्य सामाजिक जन भी उनसे प्रभावित तथा प्रसन्न रहेंगे माता पिता के प्रति उनके मन में समान भाव से आदर तथा आज्ञाकारिता रहेगी तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार न्उमी च्नतप और क्तण्झंदबींद च्नतप का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

क्तण्झंदबींद च्नतप के सास से प्रायः अच्छे संबध रहेंगे। यद्यपि उनकी सास अन्य जनों के मामलों में कम ही हस्तक्षेप करने वाली महिला होंगी तथापि उनके कुछ सिद्धांत

क्तण्ज्ञंदबींद च्नतप के लिए अनुकरणीय हो सकते है। साथ ही इन दोनों के मध्य कोई विशेष समस्या या मतभेद नहीं रहेंगे।

क्तण्ज्ञंदबींद च्नतप अपने कुशल व्यवहार मधुर वाणी एवं सेवा भाव से ससुर को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में सफलता प्राप्त करेंगी। साथ ही ननद एवं देवरों के साथ भी उनके संबध मित्रता पूर्ण रहेंगे तथा उनको पूर्ण सहयोग एवं स्नेह प्रदान करेंगी। अतः उनका दिल जीतने में सफल रहेंगी।

इस प्रकार क्तण्ज्ञंदबींद च्नतप के प्रति उनके सास ससुर का दृष्टि कोण आत्मयीता से पूर्ण रहेगा तथा घर में उसे पूर्ण सुख सुविधा तथा स्नेह प्रदान करेंगे।

ससुराल-श्री

न्उमेी च्नतप के अपनी सास से संबध विशेष मधुर नहीं रहेंगे तथा आयु में काफी अंतर होने के कारण इनमें विचार वैभिन्यता रहेगी लेकिन यदि दोनों परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता का व्यवहार करें तो उपरोक्त मतभेदों में न्यूनता आएगी तथा संबधों में वृद्धि के भी अवसर बनेंगे।

साथ ही ससुर से भी परस्पर संबधों में विवाद तथा तनाव युक्त वातावरण रहेगा जिससे न ही न्उमेी च्नतप उनको यथोचित मान सम्मान प्रदान करेंगे तथा वे भी इन्हें विशेष अपनत्व तथा स्नेह का भाव अल्प ही प्रदान करेंगे। लेकिन साले एवं सालियों से संबध अच्छे रहेंगे तथा परस्पर स्नेह सहयोग तथा सहानुभूति का भाव रहेगा। इनके संबधों में मित्रता का भाव भी रहेगा जिससे परस्पर मुक्त भाव से वार्तालाप होता रहेगा। इस प्रकार ससुराल वालों का दृष्टिकोण न्उमेी च्नतप के प्रति अनुकूल रहेगा तथा उन्हें प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रखने में नित्य प्रयत्नशील रहेंगे।